भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 949
25 जुलाई, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

उज्जैन में एम्स की स्थापना

949. श्री अनिल फिरोजिया:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) या केंद्र द्वारा वित्तपोषित मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का विचार है;
(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार का भविष्य में ऐसा कोई संस्थान स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) उज्जैन जिले में अब तक कितने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोले गए हैं;
(घ) क्या उक्त केंद्रों में सभी आवश्यक औषधियाँ नियमित रूप से उपलब्ध हैं;
(ङ) क्या उज्जैन जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में पर्याप्त डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में अब तक कितने व्यक्तियों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्राप्त हुआ है और इस योजना के अंतर्गत कितने अस्पताल सूचीबद्ध किए गए हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के अंतर्गत, अब तक देश के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 22 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) की स्थापना का अनुमोदन प्रदान किया गया है, जिनमें मध्य प्रदेश के भोपाल में एक एम्स भी शामिल है, जो कार्यशील है। पीएमएसएसवाई के वर्तमान चरण में, उज्जैन में किसी नए एम्स की स्थापना का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) और (घ): प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत, आज तक की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में 26 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। प्रयोगशाला अभिकर्मकों और टीकों को छोड़कर, राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची (एनएलईएम) में शामिल लगभग सभी जेनेरिक दवाएं पीएमबीजेपी दवाओं की श्रेणी में शामिल हैं।

(ङ): जन स्वास्थ्य एवं अस्पताल राज्य का विषय है और स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवरों की व्यवस्था की ज़िम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। हालाँकि, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके सम्पूर्ण संसाधानों के दायरे में तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(च): दिनांक 30.06.2025 तक की स्थिति के अनुसार, मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में 11.54 लाख आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं और 19 अस्पतालों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के अंतर्गत पैनलबद्ध किया गया है।

****